

सम्पादकीय

नई ऊर्जा का दौर

प्रधानमंत्री मोदी और सऊदी अरब के युरान एवं प्रधानमंत्री मुहम्मद बिन सलमान के दरमान ने भारतीय सऊदी अरब के निकर्ष में लेकर उनमें नवीकरणीय ऊर्जा का समझौता बहुद महत्वपूर्ण और प्रासादीक माना जा रहा है। यदि दुनिया के पर्यावरण को छलनी होने से बचाना है, तो काबिन उत्तरांग पर लगाम लगानी होती है। पृथ्वी के तापमान को कम करना होगा, लिखज हरित और स्वच्छ ऊर्जा की प्राथमिकता बनानी होगी। सऊदी अरब भारत का भारोंसंभद और बड़ा कारोबारी साझेदार है। हमें तेल और गैस पुर्या करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। जीते साल 4.3 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया गया है। करोब 24 लाख भारतीय सऊदी अरब के कारोबार हैं। करोब 200 भारतीय कंपनियां वहाँ काम कर रही हैं। भारतीय कई कंपनियों के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) भी हैं। तेल साल 1.75 लाख भारतीय हजार के लिए वहाँ गए। सऊदी अरब एक प्रातिशाली देश बन रहा है। वहाँ सिर्फें पर थोपी गहराई पार्टिंग्स हटा ली गई हैं। असी औरें कार चलाती हैं। बुकें की बैंडिंग जबरन नहीं हैं। भारत ने अमेरिका और सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य कराया है। दोनों देश प्रतिबद्ध हैं कि जीते साल 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा का 50 फोसदी नवीकरणीय ऊर्जा का रखेगा। भारत में इस ऊर्जा का 2023 में उत्तरांग 175 मीगावाट था। अब 2030 तक उत्तरांग 450 मीगावाट किया जाएगा। एक मीगावाट 1000 मीगावाट के बराबर होता है। अंथर हम 4.5 लाख मीगावाट अतिरिक्त ऊर्जा पैदा करने की स्थिति में होगे। इसका अधिकारी भाग 'सौर ऊर्जा' का होगा, जो हमें सूर्य के प्रकाश से सहज सुलभ है। हम विश्व सौर गढ़वाल देशों के सदस्य भी हैं। भारत वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं में बढ़ावारी होती है, तो देशों के 'नेशनल ग्रिड' समर्पण के जरिए ऊर्जा के कारोबार को नाम ग्रिड-मिडिल इंस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कारोबार है। इस ग्रोजेक्ट में भारत, यूरोपीय यूनियन, फास, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल होंगा। इस गलियारे की निर्माण के लिए यह नए दोर की जरूरतों के लिए नए अनुसंधान माने जा सकते हैं। एक अनुसंधान यह भी सामने आया है कि अगले साल तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता करोब 450 मीगावाट तक बढ़ सकती है। यह अमेरिका और चीन की साझा क्षमता दोनों देशों पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड को जोड़ने की गिरावंत फिलाडेलिया असमर्थ है। चूंकि ऊर्जा का लागत काफी ही है। चूंकि ऊर्जा के भूमिका बढ़ आकर्षक है, लिखज हरित और ग्रिड को जोड़ने की सोचना बाकी रही है।

राज्यों में ऊर्जा की 'चम्प मार' की स्थितियां भी खिल रही हैं। बेशक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार लगातार हो रहा है और 2030 तक क्षमताएं खबर बढ़ जाएंगी। यदि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं में बढ़ावारी होती रहती है, तो देशों के 'नेशनल ग्रिड' समर्पण के जरिए ऊर्जा के कारोबार को नाम ग्रिड-मिडिल इंस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कारोबार है। इस ग्रोजेक्ट में भारत, यूरोपीय यूनियन, फास, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल होंगा। इस गलियारे की निर्माण के साथ ही दुनिया के व्यापार का विकल्प होगा। यह पूर्वी और दक्षिण एशिया के बीच समझौता होगा। भारत-अरब के प्रयागरी और आर्यों के प्रयागरीकी में भी तो जो सूर्यों हो रहे हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता दोनों देशों को निरंतर उत्पाद होगी। दोनों देशों ने अपने पारंपरिक स्रोतों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रयास जारी रखे हैं। यह नए दोर की जरूरतों के लिए नए अनुसंधान माने जा सकते हैं। एक अनुसंधान यह भी सामने आया है कि अगले साल तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता करोब 450 मीगावाट तक बढ़ सकती है। यह अमेरिका और चीन की साझा क्षमता दोनों देशों पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड को जोड़ने की सोचना बाकी रही है। चूंकि ऊर्जा का लागत काफी ही है। चूंकि ऊर्जा के भूमिका बढ़ आकर्षक है, लिखज हरित और ग्रिड को जोड़ने की सोचना बाकी रही है।

त्वर्थ की बहस है इंडिया बनाम भारत

जबसे जी-20 देशों के मेहमानों तो क्यों न इसी में से कोई नाम देश के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यदि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं में बढ़ावारी होती रहती है, तो देशों के 'नेशनल ग्रिड' को जोड़ना गरिबती होगा। भारत-अरब के प्रयागरी और आर्यों के प्रयागरीकी में भी तो जो सूर्यों हो रहे हैं, लेकिन व्यापार के जरिए ऊर्जा भारत के वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता दोनों देशों को निरंतर उत्पाद होगी। दोनों देशों ने अपने पारंपरिक स्रोतों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रयास जारी रखे हैं। यह नए दोर की जरूरतों के लिए नए अनुसंधान माने जा सकते हैं। एक अनुसंधान यह भी सामने आया है कि अगले साल तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता करोब 450 मीगावाट तक बढ़ सकती है। यह अमेरिका और चीन की साझा क्षमता दोनों देशों पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड को जोड़ने की सोचना बाकी रही है। अंथर ऊर्जा के भूमिका बढ़ आकर्षक है।

जबसे जी-20 देशों के मेहमानों तो क्यों न इसी में से कोई नाम देश के लिए राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंस ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह जी-20 देशों के लिए भारत के ग्राहणित के

राजिभूमि वाले निम्नांकित पत्र पर प्रेसिडेंs ऑफ भारत शब्द लिखा गया है। यह

शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ-साथ त्वचा को चमकदार बनाता है गिलोय

चाहे महिला हो या पुरुष, आज के दौर में हर कोई अपने चेहरे पर निखार लाने के लिए कुछ ना कुछ काम करता रहता है। चेहरे का खूबी बरकरार रखने के लिए लोग कई बार तो पालर जाकर हजारों रुपये खर्च करके स्किन ट्रीटमेंट लेते हैं, तो कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो चेहरे, नुस्खों पर ज्यादा भरोसा है। बाजार में कई और्जा, मॉडलशॉप्स और अन्य कंपनियां ब्रेस्ट प्रोड्रॉफ मिलते हैं, जो स्किन टाइप के दिस्याएं से ही होते हैं लेकिन कई बार ये काफी बहुताने की बात है। नुस्खान पहुंचा देते हैं। ऐसे में आज हम आपको चेहरे पर चमकदार बनाने के लिए गिलोय का इस्तेमाल करना सिखाएंगे।

गिलोय का मास्क

इस मास्क को बनाने के लिए उसमें पहले गिलोय के पते या फिर उसका ताता लेकर इसे अच्छे से पीस लें। अब इस पेस्ट को 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट के बाद चेहरे को सादे पानी से धो दें। इस मास्क के इस्तेमाल से आपके



फेस की स्किन ग्लो करने लगानी और आप आप फेस फैल करें। आप इसका इस्तेमाल करना सिखाएंगे।

आंवला और गिलोय मास्क

आंवला और गिलोय का मास्क बनाने के लिए आपको 1 आंवले का टुकड़ा लेकर उस में गिलोय की कुछ पत्तियां पीसकर मास्क तैयार करना है। इस मास्क को 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं।

गिलोगा ये फायेदा

इस मास्क के इस्तेमाल से आपकी त्वचा को हील होने में मदद मिलती है। दरअसल, गिलोय में हीलिंग पावर होती है जो स्किन को हील करने में मदद करती है। कुछ ही समय में आपको चेहरा चमकदार बनाना और आपको इसका असर खुद से दिखने लगेगा।

अगर भारी झुमके पहनने से घायल हो गए हैं कान तो इन चीजों के इस्तेमाल से पाएं राहत

कई बार स्टाइलिंग और फैशनबल दिखने के चक्र में लोग कुछ ऐसा कर बैठते हैं, जिसकी वजह से उनके साथ ही परेशानी खड़ी हो जाती है। खासकर जब कोई कार्यक्रम होता है तो महिलाओं उसमें सबसे खूबसूरत दिखने के लिए काफी समय पहले से ही तैयारी शुरू कर देती है। कापड़ों के साथ-साथ जैलरी भी उन्हें खूबसूरत दिखाने में काफी मदद करती है। शादियों में घण्टे जाल भी खूबसूरत दिखाने की वजह से कान काफी घायल होने लगते हैं। जब ये परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है तो कई बार इसकी वजह से कानों में दर्द होने लगता है। इसकी साथ ही ये घाव पकड़ती हैं।

ऐसे में जैसे ही कान में झुमकों की वजह से दर्द शुरू हो, वैसे ही इसको ठीक करने के लिए आप कुछ घेरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। आज के लेख में हम आपको इन्हें चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। एलोवेरा जैल त्वचा को कई परेशानियों को दूर करने में लाभदायक होता है। इसके इस्तेमाल से आपके कानों का घाव ना सिर्फ जल्दी ठीक होगा, बल्कि इसके साथ ही घाव को ठंडक मिलेगा। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं तो कृपया कोशिश करें कि ताजा एलोवेरा जैल निकाल कर



ही लगाएं। ये आपके कान के घाव को जल्दी ठीक करने का घाव ना सिर्फ जल्दी होता है इसके लिए आपको बस प्रभावित हिस्से पर बादाम का तेल लगाना है। बादाम का तेल आपकी त्वचा में नमी बनाकर रखता है और कटे-फटे घाव को भी हील कर सकता है। अगर भारी झुमके पहनने से आपके कान भी पकड़ने लगते हैं तो आप पक्के हुए कान पर आप पत्तियों को देखेंगी तो उस पर आंस की बुद्धि दिखाएं देंगी। इसे आप कानों के घाव पर लगा सकती हैं।

जल्दी मिलेगी। हैंडी झुमकों की वजह से कान के घाव को जल्दी ठीक करने के लिए आपको आराम मिलेगा। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं तो एक कपड़े में बर्क के कुछ टुकड़े लेंटे और प्रभावित जगह पर कम से कम 20 मिनट लगाए। सुधूर उठ कर जब आप पत्तियों को देखेंगी तो उस पर आंस की बुद्धि दिखाएं देंगी। इसे आप कानों के घाव पर लगा सकती हैं।



नेल पांचिंश हटाने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सिरके में नींबू का रस मिलाकर हाथों पर लगाएं और फिर 10 मिनट बाद गर्म पानी से धोने पर नेल पांचिंश अपने आप हट जाएगी।

बेहद फायदेमंद होता है सिर पर मेहंदी लगाना

ये बात किसी से छिपी नहीं है कि भारत देश में मेहंदी का

बालों को बनाती है स्वस्थ

बालों को बनाती है कि भारत

लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएगा।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

बालों के लिए मेहंदी एक नेचुलर कंडीशनर की तरह काम करता है।

मेहंदी के रेगुलर इस्तेमाल से बालों में जरूरी अंकिता की कहानी ने न केवल उसके मात्रात्मक रूप से बालों को बनाता है तो यह उसके लिए आपको बालों की तरह कर सकता है।

इसके लिए आपको बस अनान के छाँसों के पाड़ों से छाँसे हुए पानी में दो घंटे तक भिंगकर रखें और स्केल्प के साथ बालों पर लगाएं। ये आपको जरूर फायदा पहुंचाएंगे।

बालों को करता है कंडीशनर

